L.N. MITHILA UNIVERSITY
DARBHANGA (BIHAR)
IA 2ind (12)
PAPER- class-12
PSYCHOLOGY
TOPIC- मूल्यांकन की विधियाँ -

Dr. Pramod Kumar Sahu.
Assist- Professor.
Guest- Teacher.
V.S.J. college Rajnagar.
MADHUBANI (BIHAR)
pramodkumar dbg 2018 @ gmail.com.

मनोवैज्ञानिक गुणों में विभिन्नताएँ :- मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के लिए अनेक विधियाँ प्रयुक्त की जाती है, इसमें से कुछ विधियों के बारे में आप कक्षा 11 में पढ़ चुके हैं। आइए हम फिर उनकी प्रमुख विशेषताओं का पुनः स्मरण करें :-

(I) मनोवैज्ञानिक परीक्षण :- (Psychological Test) व्यक्ति की मानसिक तथा व्यवहारपरक विशेषताओं का वस्तुनिष्ठ तथा मानकीकृत मापक होता है। ऊपर बताई गई सभी मनोवैज्ञानिक विशेषताओं (उदाहरणार्थ बुद्धि अभिक्षमता आदि) की सभी विमाओं के मापने के लिए वस्तुनिष्ठ परीक्षण विकसित किए जा चुके हैं। क्लिनिकल निदान निर्देशन, कार्मिक चयन, स्थापन तथा प्रशिक्षण आदि कार्यों में इन परीक्षणों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। वस्तुनिष्ठ परीक्षणों के अतिरिक्त मनोवैज्ञानिकों ने विशेष रूप से परीक्षणों के अतिरिक्त मनोवैज्ञानिकों ने विशेष रूप से व्यक्तित्व के मूल्यांकन के लिए कुछ प्रक्षेपी परीक्षणों का भी निर्माण किया है।

(II) साक्षात्कार (interview) की विधि में परीक्षणकर्ता व्यक्ति से वार्तालाप करके सूचनाएँ एकत्र करता है आप इसे प्रयुक्त होते हुए देख सकते हैं जब कोई परामर्शदाता किसी सेवार्थी से अंतःक्रिया करता है। एक विक्रेता घर-घर जाकर किसी विशिष्ट उत्पाद की उपयोगिता के संबंध में सर्वेक्षण करता है, कोई नियोक्ता अपने संगठन के लिए कर्मचारियों का चयन करता है। अथवा कोई पत्रकार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर महत्वपूर्ण व्यक्तियों का साक्षात्कार करता है।

(III) व्यक्ति अध्ययन (case study) विधि में किसी

II

व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक गुणों तथा उसके मनोसामाजिक और भौतिक परिस्थिति के संदर्भ में उसके मनोवैज्ञानिक इतिहास आदि की गहनता से अध्ययन किया जाता है। सैद्धान्तिक मनोवैज्ञानिक इस विधि का व्यापक रूप से उपयोग करते हैं। क्योंकि व्यक्ति महान व्यक्तियों के जीवन के केस विश्लेषणों तथा उन महान व्यक्तियों के जीवन अनुभवों से सीख प्राप्त कर सकता है। व्यक्ति अध्ययन में विभिन्न विधियों जैसे- साक्षात्कार, प्रेक्षण, प्रश्नावली, मनोवैज्ञानिक परीक्षण आदि के उपयोग से प्रदत्त या आँकड़े एकत्र किए जाते हैं।

(4) प्रेक्षण (observation) में व्यक्ति की नैसर्गिक या स्वाभाविक दशा में घटित होने वाली सामाजिक व्यवहारपरक घटनाओं की व्यवस्थित संगठित तथा वस्तुनिष्ठ ढंग से अभिलेख तैयार किया जाता है। कुछ गोचर, जैसे- मातृ शिशु अंतःक्रिया का अध्ययन प्रेक्षण-प्रणाली द्वारा सरलता से किया जा सकता है। प्रेक्षण-प्रणाली की एक बड़ी समस्या यह है कि इसमें स्थिति पर प्रेक्षक की प्रकृति की निर्भरता होती है, और प्रेक्षण से प्राप्त विवरण की प्रेक्षक द्वारा व्यक्तिनिष्ठ व्याख्या की जा सकती है।

(5) आत्म-प्रतिवेदन (self-report) वह विधि है जिसमें व्यक्ति स्वयं अपने विश्वासों, मतों आदि के बारे में तथ्यात्मक सूचनाएँ प्रदान करता है। ऐसी सूचनाएँ किसी साक्षात्कार अनुसूची अथवा प्रश्नावली किसी मनोवैज्ञानिक परीक्षण अथवा, वैयक्तिक डायरी का उपयोग करके प्राप्त की जा सकती है।

बुद्धि - (Intelligence) :-

व्यक्तियों की पारस्परिक भिन्नता जानने में बुद्धि एक मूलभूत विधि है। किसी व्यक्ति की बुद्धि जानने से यह पता चलता है कि वह अपने परिवेश के अनुरूप अपने व्यवहार को किस प्रकार अनुकूलित करता है। इस खंड में आप बुद्धि तथा उसके विभिन्न स्वरूपों के बारे में पढ़ेंगे। सामान्यजन बुद्धि के स्वरूप के बारे में जो समझते हैं, सामान्य मनोवैज्ञानिकों द्वारा उससे बिल्कुल भिन्न ढंग से इसे समझा जाता है। यदि आप किसी बुद्धिमान व्यक्ति की

III

व्यवहारों की प्रभावता बढ़ा दें तो आप पाएँगे कि उसमें मानसिक सतर्कता, हाजिर जवाबी, शीघ्र सीख लेने की योग्यता और संबंधों को समझ लेने की योग्यता जैसे अनेक गुण होते हैं। ऑक्सफोर्ड शब्दकोश ने बुद्धि को प्रत्यक्षण करने (perceiving) सीखने (learning) समझने (understanding) और जानने (knowing) की योग्यता के रूप में परिभाषित किया है। बुद्धि के प्रारंभिक व्याख्याकारों ने मात्र कुछ शब्दों द्वारा बुद्धि को परिभाषित किया था। अल्फ्रेड बिने बुद्धि के विषय पर शोध कार्य करने वाले पहले मनोवैज्ञानिकों में से एक थे। उन्होंने बुद्धि को अच्छा निर्णय लेने की योग्यता, अच्छा बोध करने की योग्यता और अच्छा तर्क प्रस्तुत करने की योग्यता के रूप में परिभाषित किया, वेक्सलर (Wechsler) जिसका बनाया गया बुद्धि परीक्षण बहुत व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। ने बुद्धि को उसकी प्रकार्यात्मकता के रूप में समझा अर्थात उन्होंने पर्यावरण के प्रति अनुकूलित होने में बुद्धि के मूल्य को महत्व प्रदान किया। वेक्सलर के अनुसार बुद्धि व्यक्ति की वह समग्र क्षमता है। जिसके द्वारा व्यक्ति सविवेक चिंतन करने सोद्देश्य व्यवहार करने तथा अपने पर्यावरण से प्रभावी रूप से निपटने में समर्थ होता है। कुछ अन्य मनोवैज्ञानिकों, जैसे- गार्डनर (Gardner) और स्टर्नबर्ग (Sternberg) का सुझाव है कि एक बुद्धिमान व्यक्ति न केवल अपने पर्यावरण से अनुकूलन करता है बल्कि उसमें सक्रियता से परिवर्तन और परिमार्जन भी करता है। आपको बुद्धि की संकल्पना और उसका विश्लेषण क्रमशः बुद्धि के कुछ महत्वपूर्ण सिद्धांतों का विवेचन किए जाने के उपरांत समझ में आ जाएगी।

U. G. D. College, Ramnagar,
Dr. Pramod Kumar Saha,
Date 08/07/2020,
Sub. Psychology.